फ्रांस में आतंकी हमलाः यूरोपीय प्रतिक्रिया और आंतरिक राजनैतिक सक्रियता

दिनोज कु. उपाध्याय*

भूमिका

पेरिस में 13 नवम्बर 2015 को हुए अनेक संगठित आतंकी हमलों में लगभग 130 व्यक्ति मारे गए और सैंकड़ों घायल हुए। बंदूकधारियों और आत्मघाती बमों से लैस आतंकियों ने शहर के समारोह हॉल (कॉन्सर्ट हॉल), स्टेडियम, रेस्तरां और मधुशाला जैसे सार्वजनिक स्थलों को निशाना बनाया। इस्लामिक स्टेट (आईएस) ने इन हमलों की जिम्मेदारी ली और इन्हें "आने वाले तूफान की पहली झलक" बताया।[i] जनवरी 2015 में चार्ली एब्दो शूटिंग के पश्चात फ्रांस में इस्लामी जिहादियों द्वारा एक और बड़ा सीरियल आतंकी हमला किया गया था। तालिका 1 में वर्ष 2015 में फ्रांस में हुई आतंकी घटनाओं को दर्शाया गया है। इस्लामिक स्टेट (आईएस) के उत्थान ने यूरोपीय देशों के लिए गंभीर सुरक्षा खतरा पैदा कर दिया है। फ्रांस के राष्ट्रपति फ्रांसवा ओलांद ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए इन हमलों के लिए इस्लामिक स्टेट (आईएस) को जिम्मेदार ठहराया और इन्हें 'युद्ध का एक कृत्य' बताया।[ii] इस्लामिक स्टेट (आईएस) के विरूद्ध युद्ध में तेजी लाने और वैश्विक समर्थन प्राप्त करने के लिए उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय समुदाय विशेषकर, यूरोपीय संघ के सदस्य देशों, अमरीका और रूस से अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद के खतरे को जड़ से समाप्त करने के लिए एक वैश्विक गठबंधन में

तालिका 1: फ्रांस में आतंकी घटनाएं (वर्ष 2015 में)

शहर/स्थान	तारीख	मारे गए लोग	घायल हुए लोग
पेरिस (चार्ली एब्दो)	7 जनवरी, 2015	20	22
नीस	3 फरवरी, 2015	-	3
सां-केन्तिन-फलावीय	26 जून, 2015	1	2
ताली त्रां	21 अगस्त, 2015	-	4
पेरिस (अनेक स्थान)	13 नवंबर, 2015	130	368
मार्सयी	18 नवंबर, 2015	-	1

शामिल होने का आह्वान किया।[iii] संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद प्रस्ताव 2249 में भी इस्लामिक स्टेट (आईएस) के विरूद्ध "हर प्रकार से संग्राम" के फ्रांस के प्रस्ताव का अनुमोदन कर दिया गया।[iv] बाह्य राजनैतिक पहलों के अलावा, यूरोपीय संघ और इसके सदस्य राष्ट्र भी आंतरिक सुरक्षा सुदृढ़ करने के उपाय करते रहे हैं। यूरोपीय संघ द्वारा प्रस्तावित उपाय यूरोपीय संघ की व्यवस्था में नई जटिलताएं पैदा कर रहे हैं और यूरोपीय राजनीति में विविध रूझान उभरकर सामने आए हैं। पेरिस आतंकी हमलों ने सुरक्षा चिंताओं को और बढ़ा दिया।[v] कुछ मध्य तथा पूर्वी यूरोपीय देशों ने शरणार्थियों को स्थानांतरित करने के कोटा प्रणाली का नए सिरे से विरोध किया।[vi] स्लोवाकिया और हंगरी ने शरणार्थियों के वितरण (संबंधी प्रक्रिया) के विरूद्ध यूरोपीय न्यायालय में अपील की।[vii] इसी संदर्भ में इस लेख में पेरिस आतंकी हमलों के बाद इस्लामिक स्टेट (आईएस) और सीरियाई संकट पर यूरोपीय प्रतिक्रिया का विश्लेषण किया गया है। इसमें यूरोपीय संघ और इसके सदस्य राष्ट्रों द्वारा किए गए आंतरिक सुरक्षा उपायों की भी जांच-परख की गई है। अंत में, इसमें यूरोपीय राजनैतिक वार्ता पर पड़ने वाले विस्तृत प्रभाव पर चर्चा की गई है।

इस्लामिक स्टेट (आईएस) के विरूद्ध युद्ध

फ्रांस ने पेरिस हमलों के बाद इस्लामिक स्टेट (आईएस) के विरूद्ध सैन्य आक्रमण किए। फ्रांस के राष्ट्रपति ओलांद ने इस्लामिक स्टेट (आईएस) के विरूद्ध 'निर्दयतापूर्ण' युद्ध प्रारंभ करने के लिए कहा[viii] और इसके पश्चात, अमरीका के सहयोग से फ्रांस ने एक कमान/नियंत्रण केंद्र (कमांड सेंटर), जिहादियों का भर्ती केंद्र, गोलाबारूद डिपो और आतंकवादियों के एक प्रशिक्षण कैंप पर आक्रमण किया।[ix] फ्रांस ने इस्लामिक स्टेट (आईएस) के विरूद्ध एक प्रभावी गठबंधन बनाने के लिए अपना राजनैतिक अभियान तेज कर दिया है। वैसे, संयुक्त राष्ट्र प्रस्ताव 2249 संयुक्त राष्ट्र घोषणापत्र के अध्याय VII का आह्वान नहीं करता,[x] जिसका उपयोग शांति और सुरक्षा बहाल करने के लिए सैन्य कार्रवाई को मान्यता देने के लिए किया जा सकता है, (परन्तु) कोई भी देश आत्मरक्षा के लिए बल प्रयोग कर सकता है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि इस्लामिक स्टेट (आईएस) के विरूद्ध गठबंधन तैयार करने में फ्रांस के प्रयास किस हद तक सफल होंगे, फिर भी, वर्तमान में फ्रांस के राष्ट्रपति ओलांद के अमरीका और रूस के दौरे के साथ-साथ पेरिस में संपन्न अनेक वार्ताओं से एकजुटता प्रदर्शित हुई है और सैन्य सहायता के लिए अनेक वायदे किए गए हैं।[xi]

हालांकि, सीरियाई संकट[xii] के समाधान के लिए शांति वार्ताओं में सीरियाई राष्ट्रपति बशर अल-असद की भूमिका पर प्रमुख यूरोपीय ताकतों के बीच मतभेद हैं, फिर भी वे इस्लामिक स्टेट (आईएस) के विरूद्ध युद्ध में फ्रांस का समर्थन करते हैं। इस्लामिक स्टेट (आईएस) के विरूद्ध युद्ध का जर्मन संसद द्वारा अनुमोदन कर दिया गया था। सीरिया में इस्लामिक स्टेट (आईएस) के विरूद्ध युद्ध में जर्मनी की प्रत्यक्ष

भूमिका है। जर्मन (सैन्य) बलों को यूरोपीय संघ सामूहिक सुरक्षा कानून के तहत इस्लामिक स्टेट (आई एस) के विरूद्ध तैनात किया जाएगा। जर्मनी टोही लड़ाकू विमानों व ईंधन भरने वाले विमानों को भी भेजेगा और रसद के साथ-साथ कमान कार्मिक तथा कृत्रिम उपग्रह संपर्क (सेटेलाइट लिंक) उपलब्ध कराने में शामिल रहेगा। जर्मन बुंदेस्टाग में, 445 सदस्यों ने इस्लामिक स्टेट (आईएस) के विरूद्ध युद्ध में शामिल होने के पक्ष में मतदान किया, जबकि 146 सांसदों ने इसके विपक्ष में मतदान किया। जर्मन विपक्षी दल, लेफ्ट पार्टी ने इस अभियान को अस्वीकृत कर दिया। सोशल डेमोक्रैट ने इस अभियान का समर्थन किया।[xiii] ग्रेट ब्रिटेन रसद सहायता के साथ-साथ इस्लामिक स्टेट (आईएस) के विरूद्ध युद्ध के लिए सैन्य अड्डों का उपयोग करने की अनुमति देने पर सहमत हो गया है। संसद के अनुमोदन के पश्चात ग्रेट ब्रिटेन ने भी सीरिया में इस्लामिक स्टेट (आईएस) के विरूद्ध हवाई हमले किए।[xiv]

सऊदी अरब ने भी अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद के विरूद्ध लड़ाई में 34 देशों के गठबंधन की घोषणा की है। अरब देशों के गठबंधन ने अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद पर एक व्यापक दृष्टिकोण अपनाया है और सीरिया, इराक, अफगानिस्तान तथा लीबिया में अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद से लड़ने की बात कही है। यह गठबंधन इस्लामिक स्टेट (आईएस) के विरूद्ध अपने सैन्य हमले किस प्रकार करेगा, यह स्पष्ट नहीं है। संयुक्त अभियान केंद्र सऊदी अरब की राजधानी रियाद में स्थापित होगा। ईरान इस्लामिक देशों के गठबंधन में शामिल नहीं है।[xv] इस्लामिक सैन्य गठबंधन के गठन पर संयुक्त वक्तव्य में कहा गया है कि दस से अधिक अन्य इस्लामी राष्ट्र इस गठबंधन को समर्थन दे रहे हैं।[xvi]

रूस-फ्रांस सहयोग

फ्रांस के राष्ट्रपति ओलांद ने इस्लामिक स्टेट (आईएस) के विरूद्ध युद्ध में समर्थन प्राप्त करने के लिए रूस का दौरा किया। दोनों देशों ने सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की। संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में दोनों राष्ट्रपतियों ने सीरिया में इस्लामिक स्टेट (आईएस) के विरूद्ध सहयोग का विस्तार करने पर सहमति जताई। दोनों देश संयुक्त अभियानों में सहयोग करेंगे जिनमें सैन्य कमान और आसूचना सेवाएं शामिल होंगी; दोनों देशों की नौसेनाओं ने भी संपर्क स्थापित किए हैं। रूस और फ्रांस समुद्री तथा हवाई हमलों के लिए संयुक्त कार्य योजना भी तैयार करेंगे। हालांकि इस्लामिक स्टेट (आईएस) के विरूद्ध युद्ध में एक और नया मोड़ आ गया, जब तुर्की ने रूसी एसयू-24 बमवर्षक विमान को यह आरोप लगाते हुए मार गिराया कि यह उसकी वायु सीमा में घुस आया था। इस घटना पर रूस और तुर्की के बीच तनाव बढ़ गया। रूस ने आर्थिक प्रतिबंध लगा दिए और आरोप लगाया कि तुर्की इस्लामिक स्टेट (आईएस) के साथ अवैध तेल व्यापार में संलिप्त है।[xvii] रूस के राष्ट्रपति द्वारा जारी *रूस की राष्ट्रीय सुरक्षा और आपराधिक एवं अन्य अवैध*

कृत्यों के विरूद्ध रूसी नागरिकों की सुरक्षा के उपायों के साथ-साथ तुर्की के विरूद्ध विशेष आर्थिक उपायों के अनुप्रयोग पर कार्यकारी आदेश द्वारा तुर्की से आयातों पर प्रतिबंध लगाया गया अथवा उन्हें सीमित किया गया, नियोक्ताओं पर प्रतिबंध लगाया गया, आदि।[xviii] रूस-तुर्की तनावों का इस्लामिक स्टेट (आईएस) के विरूद्ध सैन्य अभियान और सीरियाई संघर्ष समाप्त करने के प्रयोजनार्थ राजनयिक प्रक्रिया दोनों पर ही असर पड़ेगा।[xix] फ्रांस के राष्ट्रपति फ्रांस्वा ओलांद ने रूस और तुर्की के बीच तनाव कम करने का आह्वान किया।[xx] वे रूस और तुर्की के बीच तनाव कम करने में सहायता हेतु जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल से भी सहायता लेना चाहेंगे।[xxi] जर्मनी ने रूस और तुर्की से तनाव बढ़ाने से बचने का आग्रह किया।[xxii]

रूस ने सीरिया में फ्रांस के साथ सहयोग करने पर सहमति जताई है। लेकिन दोनों राष्ट्रों के बीच बशर अल-असद शासन के राजनैतिक समाधान तथा भविष्य पर मतभेद हैं। रूस असद सरकार का समर्थन करता रहा है और इस बात पर कायम है कि सीरिया की जनता को ही सीरिया में असद सरकार का भविष्य तय करना चाहिए। रूस के इस रूख के विपरीत, फ्रांस राष्ट्रपति असद को शांति वार्ताओं में समाधान के हिस्सेदार के रूप में नहीं देखता। यूरोप में एक और गतिविधि यूरोपीय देशों और रूस के बीच सहयोग कायम रखने में अनुकूल प्रतीत नहीं होती। नाटो ने गठबंधन में शामिल होने के लिए परिग्रहण वार्ता शुरू करने हेतु मान्टोनिग्रो को आमंत्रित किया है।[xxiii] नाटो के विस्तार संबंधी नवीनतम कार्यवाही रूस, यूरोप और अमरीका के बीच संबंधों को और खराब कर देगी। रूस ने बारंबार चेतावनी दी है कि पूर्व की ओर नाटो के विस्तार की प्रतिकारात्मक प्रतिक्रिया होगी।[xxiv] विगत में, पुतिन ने नाटो पर वादा तोड़ने का आरोप लगाया था। म्यूनिख़ सुरक्षा सम्मेलन 2007 में रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने कहा, "….. नाटो के विस्तार का इस गठबंधन को आधुनिक बनाने अथवा यूरोप में सुरक्षा सुनिश्चित करने से कोई सरोकार नहीं है। इसके विपरीत, यह एक गंभीर उकसावे को प्रदर्शित करता है, जो परस्पर विश्वास का स्तर कम करता है।….. और वार्सा संघि के भंग होने के बाद पश्चिम के हमारे सहभागियों द्वारा दिए गए आश्वासनों का क्या हुआ? वे घोषणाएं आज कहां हैं? कोई उन्हें याद तक नहीं करता।….. मैं नाटो के महासचिव, श्री वार्नर द्वारा 17 मई, 1990 को ब्रुसेल्स में दिए गए भाषण के अंश उद्धृत करना चाहूंगा। उस समय उन्होंने कहा था: 'यह तथ्य सोवियत संघ को सुरक्षा की सुदृढ़ गारंटी देगा कि जर्मन भू-भाग के बाहर एक नाटो सेना तैनात न करने के लिए हम तैयार हैं।' ये गारंटी कहां है?"[xxv]

अपने फ्रांसीसी समकक्ष के साथ संवाददाता सम्मेलन के दौरान, रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने अमरीका के साथ सहयोग की संभावना का संकेत दिया;[xxvi] तथापि, सीरिया सरकार के मुद्दे पर अमरीका की नीति पर रूस असहमत है। दूसरी ओर, अमरीकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने इस्लामिक स्टेट (आईएस) से युद्ध

करने में वैश्विक शक्तियों के विस्तारित गठबंधन के गठन की संभावनाओं पर संदेह उठाए हैं। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि क्या रूस अतिवादियों से संघर्ष करने पर अपना ध्यान लगाएगा। अमरीकी राष्ट्रपति ओबामा ने गौर किया कि रूस को एकदम पता है कि इस्लामिक स्टेट (आईएस) रूस के लिए वास्तविक खतरा पैदा कर रहा है। उन्होंने तर्क दिया, "इस समय प्रश्न यह है कि क्या वे नीतिगत समायोजन कर सकते हैं, जो उन्हें हमारे प्रभावी सहयोगी बनने की अनुमति देगा।" सैन्य अभियानों में भी जटिलताएं तथा समन्वय की कमी है। रूस और अमरीका इस्लामिक स्टेट (आईएस) के विरूद्ध युद्ध में सहयोग न करने के लिए एक दूसरे पर दोषारोपण कर रहे हैं।[xxvii] ये देश अपने-अपने रणनीतिक लाभ के लिए लड़ रहे हैं। रूस रक्का पर और पल्मीरा के आस-पास तेल और गैस के सभी संसाधनों पर नियंत्रण करना चाहता है। इस्लामिक स्टेट (आईएस) की राजधानी रक्का पर नियंत्रण तेल क्षेत्रों पर नियंत्रण करने में रणनीतिक लाभ पहुंचाएगा।[xxviii] अरब देशों का गठबंधन सीरिया और इससे सटे क्षेत्र में भू-रणनीतिक परिदृश्य को और उलझा सकता है।

हाल की एक अन्य गतिविधि में, यूरोपीय संघ ने रूस पर छह और महीनों, अर्थात जुलाई, 2016 तक के लिए प्रतिबंधों को बढ़ा दिया है, जिसके रूस-यूरोप संबंधों के लिए निहितार्थ होंगे।[xxix] यूरोपीय संघ ने यूक्रेन संकट के कारण रूस पर आर्थिक प्रतिबंध लगाए हैं। ये प्रतिबंध जनवरी, 2016 में समाप्त होंगे। यूरोपीय संघ का कहना है कि आर्थिक प्रतिबंधों को समाप्त करना फरवरी, 2015 में सम्पन्न मिन्स्क करार के प्रभावी क्रियान्वयन पर निर्भर करेगा। यूरोपीय संसद में रूस समर्थक एक गुट (लॉबी) है जो रूस विरोधी प्रतिबंधों पर सवाल खड़े करता है। हंगरी ने रूस विरोधी प्रतिबंधों पर अपनी चिंताओं को व्यक्त किया।[xxx] यूनान के प्रधानमंत्री एलेक्सी सिप्रास ने भी रूस के विरूद्ध प्रतिबंधों की आलोचना की।[xxxi] हालांकि इटली ने रूस के विरूद्ध प्रतिबंधों की अवधि बढ़ाने का समर्थन किया, लेकिन इटली के प्रधानमंत्री मत्तेयो रेनज़ी ने इस मुद्दे पर चर्चा की मांग की।[xxxii] यूरोपीय संघ ने रूस के ऊर्जा, बैंकिंग और रक्षा क्षेत्रों को निशाना बनाया है।[xxxiii] ये यूरोपीय देश रूस द्वारा ऊर्जा आपूर्ति पर अत्यधिक निर्भर करते हैं। इसलिए हाल के राजनयिक प्रयास इस्लामिक स्टेट (आईएस) के विरूद्ध सैन्य आक्रमणों को समन्वित करने में समर्थ नहीं हो पाए हैं, और सैन्य आक्रमणों में शामिल प्रमुख ताकतों के बीच मतभेद बरकरार हैं।

यूरोपीय संघ-तुर्की करार

यूरोप में प्रवासियों के अंतर्वाह को नियंत्रित करने और आइएस के विरूद्ध युद्ध में तुर्की की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। तुर्की यूरोप जाने वाले प्रमुख प्रवासी मार्ग पर अवस्थित है। अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2015 में यूरोप में दस लाख से अधिक अनियमित प्रवासी और शरणार्थी आए

और उनमें से अधिकांश समुद्री मार्ग से यूनान आए।[xxxiv] तुर्की और यूरोपीय संघ ने प्रवासियों के यूरोप में आगमन को नियंत्रित करने के प्रयासस्वरूप एक सौदा किया है। तुर्की ने यूरोप की ओर जाने वाले प्रवासियों पर नियंत्रण करने पर सहमति जताई है। यूरोपीय संघ ने वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने और (यूरोपीय संघ में) परिग्रहण वार्ता में तेजी लाने का वायदा किया है। इस करार के अनुसार यूरोपीय संघ यूरोप की ओर जाने वाले प्रवासियों पर नियंत्रण करने और शरणार्थियों को अपने भू-भाग में रखने के लिए तुर्की को 3 अरब यूरो की वित्तीय सहायता प्रदान करेगा। यूरोपीय संघ में तुर्की के प्रवेश पर वार्ता भी फिर से शुरू की जाएगी। इस सौदे (वार्ता) के तहत, तुर्की के नागरिक अक्टूबर 2016 से बिना वीज़ा के यूरोप के शेंगेन क्षेत्र की यात्रा कर सकेंगे, जहां कई यूरोपीय देशों के बीच निर्बाध/नि:शुल्क आवागमन की अनुमति है। तथापि, इन नियमों में केवल तभी छूट दी जाएगी जब तुर्की कतिपय शर्तों को मानेगा।[xxxv] तुर्क प्राधिकारियों ने समुद्री मार्ग से यूनान जाने का इरादा रखने वाले लगभग 1300 प्रवासियों को गिरफ्तार किया।[xxxvi] यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष डोनॉल्ड टस्क ने कहा कि यूरोपीय संघ इस सौदे पर तुर्की द्वारा कार्यान्वयन पर पैनी निगाह रखेगा और अंकारा की कार्रवाइयों की मासिक आधार पर समीक्षा करेगा। यूरोपीय संघ के देश भी तुर्की को 3 अरब यूरो के भुगतान पर असहमत हैं।[xxxvii]

यूरोपीय सुरक्षा सुदृढ़ करने के आंतरिक उपाय

पेरिस हमले ने यूरोपीय संघ में आंतरिक सुरक्षा की स्थिति और सीमा नियंत्रण प्रबंधन पर चिंताजनक सवाल खड़े कर दिए हैं। यूरोपीय शहर आतंकी हमलों से असुरक्षित है। रॉब वेनराइट, इयूपीओएल के निदेशक ने गौर किया कि इस्लामिक स्टेट (आईएस) 'विगत 10 वर्षों में यूरोप द्वारा सामना किए गए सबसे गंभीर आतंकी खतरे को दर्शाता है।'[xxxviii] सर्वोच्च स्तरीय आतंकी खतरे की चेतावनी 20 नवंबर, 2015 को ब्रुस्लेस में जारी की गई थी। बेलजियम के प्रधानमंत्री चार्ल्स मिशेल ने देश में पेरिस जैसे आतंकी हमलों के खतरे के बारे में बताया। परिणामस्वरूप, लोगों को शॉपिंग सेंटर्स, कंसर्ट, समारोहों अथवा सार्वजनिक परिवहन स्टेशनों जैसे स्थानों पर जाने से बचने की सलाह दी गई। सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद की गई और भारी हथियारों से लैस पुलिस और सैनिक ब्रुसेल्स में सड़कों की निगरानी कर रहे थे। ब्रुसेल्स मेट्रो प्रणाली भी बंद कर दी गई। पेरिस हमलों के पश्चात, बेल्जियम और विशेषकर इसकी राजधानी ब्रुसेल्स सुरक्षा बलों द्वारा जांच और छापों के केंद्रबिंदु रहे हैं।[xxxix] नववर्ष की पूर्वसंध्या पर म्यूनिख़ पुलिस ने भी आतंकी हमलों की चेतावनी दी। बवेरिया राज्य के आंतरिक मामलों के मंत्री, जोकिम हरमैन ने पुष्टि की कि यह खतरा इस्लामिक स्टेट (आईएस) से जुड़ा है।[xl] यूरोपीय संघ और इसके सदस्य राष्ट्र सीमा पर नियंत्रण सुदृढ़ करने, पुलिस तथा आसूचना एजेंसियों के बीच अधिकाधिक सहयोग बढ़ाने और प्रवासी अंतर्वाह को अधिक प्रभावी ढंग से नियंत्रित करने हेतु एक एजेंसी की स्थापना

करने के लिए कदम उठा रहे हैं। ये सुरक्षा उपाय शेंगेन क्षेत्र में पासपोर्ट-रहित यात्रा को प्रभावित करेंगे और इससे यूरोपीय संघ के नागरिक भी प्रभावित होंगे। यूरोपीय संघ के आंतरिक मामलों और न्याय मंत्रियों ने 20 नवंबर, 2015 को एक बैठक आयोजित की और यूरोपीय नागरिकों सहित सभी के लिए सीमाओं पर तत्काल आवश्यक व्यवस्थित तथा समन्वित जांच पर सहमति जताई। प्रणाली जांच पुलिस डाटाबेस में से की जाएगी।[xli] यूरोपीय संघ का इरादा यात्रा और धन हस्तांतरण पर कड़ी नज़र रखने का है और यह भविष्य में उड़ान संबंधी आंकड़ों को रक्षित करके उनका आंकलन भी करना चाहता है।[xlii]

यूरोपीय सीमा और तटरक्षक एजेंसी

प्रवासियों के बड़ी संख्या में अंतर्वाह के कारण यूरोपीय संघ और इसके सदस्य राष्ट्र अपनी-अपनी सीमाओं पर नियंत्रण करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। सीमा प्रबंधन एजेंसी, फ्रोंटेक्स के पास अधिक संख्या में प्रवासी अंतर्वाह और सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए सीमित शक्ति व संसाधन हैं। कमजोर सीमा सुरक्षा ने आंतरिक सुरक्षा के लिए भी खतरा पैदा कर दिया है। इसलिए यूरोपीय आयोग शरणार्थियों के संकट से प्रभावी ढंग से निपटने तथा बेहतर सीमा प्रबंधन के लिए एक नई सीमा एवं तटरक्षक एजेंसी का गठन करना चाहता है। यदि सभी सदस्य सहमत होते हैं तो भी इस योजना के कार्यान्वयन में समय लगेगा। इस नई एजेंसी के पास अधिक संसाधन और व्यापक अधिकार होगा। यूरोपीय आयोग योजना में अधिक कार्मिकों की मांग की गई है। इस एजेंसी के पास वर्ष 2020 तक 1000 स्टॉफ और लगभग 1500 विशेषज्ञ होंगे, जिन्हें तब तुरंत तैनात किया जाएगा जब तत्काल कार्रवाई अपेक्षित हो। यह आयोग आपात स्थितियों में सीमा के कुछ भागों पर भी स्वयं का ऐसा नियंत्रण अधिकार सुरक्षित रखना चाहता है जो प्रत्येक सदस्य राष्ट्रों के अनुमोदन के बिना अथवा यदि आवश्यक हो तो उनकी इच्छा के विरूद्ध भी कायम रह सके।[xliii] यह एजेंसी प्रवासियों के प्रवाह को नियंत्रित करने के लिए यूरोपीय संघ के पड़ोसी देशों से मिलकर भी काम करेगी। इस एजेंसी को अवैध प्रवासियों को वापस लौटाने का अधिकार होगा। जर्मनी, फ्रांस और यूनान ने इस योजना का समर्थन किया है, जबकि हंगरी[xlvi] और पोलैण्ड[xlv] इसके विरूद्ध हैं।[xlvi]

यूरोपीय संघ के सदस्य राष्ट्र देश के भीतर भी सुरक्षा बढ़ाने के लिए कदम उठा रहे हैं। उन्होंने वर्तमान सुरक्षा व्यवस्था को आतंकी खतरों की चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए पर्याप्त नहीं पाया है। जर्मनी ने एक नए आतंक विरोधी एकक 'बीएफई+' की शुरूआत की है। पचास एजेंट बर्लिन के नज़दीक संघीय पुलिस के ब्लूमेनबर्ग स्थल पर तत्काल कार्य प्रारंभ करेंगे। चार अन्य एकक, जिनमें प्रत्येक में 50 एजेंट होंगे, देश भर में अन्य स्थानों पर जल्दी ही तैनात किए जाएंगे।[xlvii]

यूरोपीय संघ में उभरती राजनैतिक सक्रियता

यूरोप में सुरक्षा उपायों, बाह्य नीतियों और अन्य सामाजिक-आर्थिक मुद्दों पर बहु-आयामी बहस छिड़ी हुई है। आर्थिक संकट का यूरोपीय राजनैतिक बहस पर परिवर्तनकारी प्रभाव पड़ा था। अनेक यूरोपीय देश राजनैतिक परिवर्तन के साक्षी बने हैं और नए राजनैतिक नायक यूरोप के राजनैतिक क्षितिजों पर उभर रहे हैं। प्यू रिसर्च सेंटर (वैश्विक रूख और रूझान) ने गौर किया है, "यदि यूरोपीय संकट का अल्पसंख्यकों के प्रति यूरोपीय विचारों पर विरोधाभासी प्रभाव पड़ा होता - उच्च स्तरीय अप्रवासी विरोधी, अरब/यहूदी विरोधी घटनाएं लेकिन लक्षित समूहों के लिए कुछ सहानुभूति भी - तो गंभीर आर्थिक मंदी के राजनैतिक परिणाम साफ हैं: गैर परंपरागत दलों के लिए जनता का बढ़ता समर्थन, जिसे ज्यादातर यूरोपीय संघ विरोधी, मितव्ययिता विरोधी लोकलुभावन भावनाओं के द्वारा हवा दी जा रही है।"[xlviii] फ्रांस में क्षेत्रीय चुनावों में दक्षिणपंथी दल, नेशनल फ्रंट, जो अप्रवास विरोधी विचार रखता है, ने चुनावों के प्रथम दौर में बढ़त हासिल की। लेकिन अंततः यह दो प्रमुख राजनैतिक दलों के चतुर राजनैतिक चाल के कारण एक भी क्षेत्र में नहीं जीत सका। मारीन ली पेन ने कहा है कि वे 'फ्रांस में मुसलमानों से किसी भी करार' से इंकार करती हैं और उन्होंने कहा कि दोहरी नागरिकता वाले नागरिकों को "किसी एक का चयन करना ही होगा।"[xlix] पेरिस हमलों के तुरंत बाद हुए एक चुनाव में कट्टर दक्षिणपंथी उम्मीदवार मैरियन मार्शल ली पेन को क्षेत्रीय चुनाव में दक्षिणी प्रांत आल्प्स-कोत-दाज़ूर चुनाव क्षेत्र के अध्यक्ष पद जीतने में बढ़त मिली।[l] हालांकि इस दल को चुनाव में हार का सामना करना पड़ा, फिर भी यह ठोस चुनावी समर्थन सुनिश्चित करने में सफल रही है और बड़ी संख्या में मत प्राप्त किए हैं तथा इस पार्टी के फ्रांस की राजनीति में एक प्रमुख ताकत बनकर उभरने की भविष्यवाणी की गई है।[li]

पोलैण्ड में लॉ एण्ड जस्टिस पार्टी की जीत को भी यूरोपीय संघ समर्थक राजनीतिक विकास नहीं माना गया। यूरोपीय संघ द्वारा वर्तमान में सामना की जा रही चुनौतियों पर पोलैण्ड की नई सरकार का रूझान क्षेत्रीय नीति से कहीं अधिक राष्ट्रवादी नीतिगत हो सकता है। कोनार्ड स्जीमान्स्की, पोलैण्ड के यूरोपीय मामले के मंत्री ने लिखा कि यूरोपीय संघ द्वारा तैयार किए गए शरणार्थी कोटे के क्रियान्वयन की 'कोई राजनैतिक संभावना' नहीं है।[lii] कुछ मध्य तथा पूर्वी यूरोपीय देश आंतरिक सुरक्षा पर यूरोपीय संघ के उपायों के बड़े समर्थक नहीं हैं। हंगरी के प्रधानमंत्री जो यूरोपीय प्रव्रजन नीति के आलोचक रहे हैं और जिन्होंने प्रवास के मुद्दे पर भिन्न दृष्टिकोण अपनाया है, पोलैण्ड के समान रूख अपनाते रहे हैं कि एक नई एजेंसी को सदस्य राष्ट्रों की सम्प्रभुता कम करके नहीं आंकना चाहिए।[liii] स्लोवाकिया और हंगरी ने शरणार्थी वितरण के क्रियान्वयन को रोकने के लिए कानूनी मार्ग का सहारा लिया है। हंगरी ने भी शरणार्थियों और यूरोपीय नीति के विरूद्ध एक मीडिया अभियान प्रारंभ किया है।[liv] हंगरी के प्रधानमंत्री

विक्टर ओरबान का तर्क है कि प्रवासी संकट 'यूरोपीय समस्या नहीं है, यह जर्मन समस्या है।'[lv] क्रिसमस के संदेश में चेक गणराज्य के राष्ट्रपति ने कहा कि प्रवासियों का अंतर्वाह यूरोप पर 'ट्रोजन घोड़े - जैसा आयोजित आक्रमण' है। [lvi] यूनान ने प्रवासियों तथा सुरक्षा पर सतर्क मार्ग अपनाया है। इसने राष्ट्रीय सम्प्रभुता, जिसके दायरे में यह (नई एजेंसी) कार्य करता है, का सम्मान करते हुए सीमाओं और शरणार्थियों पर नियंत्रण करने के लिए नई एजेंसी का समर्थन किया है। यूनान प्रवास से सर्वाधिक प्रभावित देशों में से एक है। एक साक्षात्कार में यूनान के यूरोपीय मामलों के वैकल्पिक विदेश मंत्री निकोस ज़िदाकिस ने बताया, "नई यूरोपीय सीमा और तटरक्षक एजेंसी को उन देशों, जिनमें यह कार्यरत है, की राष्ट्रीय सम्प्रभुता का सम्मान करते हुए शरणार्थी और प्रवास अंतर्वाह के पूर्ण प्रबंधन के लिए जिम्मेदारी लेनी चाहिए।"[lvii]

यूरोस्केप्टिक राजनैतिक प्रवृतियां यूरोपीय संघ स्तर पर सामूहिक निर्णय तैयार करने में चुनौतियां पेश करेंगी। राष्ट्रीय राजनैतिक हितों और मौजूदा सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों से संचालित राष्ट्रीय दल एक एकीकृत संस्था की तरह कार्य करने हेतु यूरोपीय संघ के लिए अनुकूल वातावरण तैयार नहीं कर रहे हैं। विविध राजनैतिक हित और राष्ट्रीय प्राथमिकता यूरोपीय संघ की आम भावना में सहायता नहीं करेंगी। कुछ मध्य तथा पूर्वी यूरोपीय देशों में यह डर है कि बड़े पैमाने पर प्रव्रजन उनके समाजिक तथा आर्थिक ताने-बाने को नुकसान पहुंचाएगा। इसलिए यूरोपीय प्रतिक्रिया में सामंजस्य और एकता कायम रखना यूरोपीय संघ के लिए एक चुनौती है।

समापन टिप्पणी

भयानक आतंकी हमले यूरोपीय देशों में इस्लामिक स्टेट (आईएस) के खतरों की गंभीर चेतावनी हैं। पश्चिमी शक्तियों द्वारा सीरियाई संकट के समाधान के लिए एक स्थाई समाधान तलाशना और देश में दीर्घकालिक शांति तथा स्थिरता लाना अभी बाकी है। यूरोप तथा पश्चिमी एशिया में उभरते राजनैतिक रूझान यूरोपीय देशों तथा रूस के बीच मतभेद सुलझाने के लिए अनूकूल प्रतीत नहीं होते। यूरोपीय संघ आंतरिक सुरक्षा को सुदृढ़ करने और क्षेत्रीय चुनौतियों का मुकाबला करने के उपाय कर रहा है; तथापि कुछ यूरोपीय संघ सदस्य राष्ट्रों की राजनीति इन साझे उपायों का बहुत समर्थन भी नहीं करती। यूरोपीय संघ में नई राजनैतिक गतिशीलता का उभरना यूरोपीय संघ के सदस्य राष्ट्रों के बीच मतभेद पैदा कर रहा है और एक साझा उपाय तैयार करने में जटिलता बढ़ा रहा है। कुछ मध्य तथा पूर्वी यूरोपीय देशों में डर है कि नई सीमा प्रबंधन एजेंसी तथा आंतरिक उपाय अपनी सीमाओं को नियंत्रित करने के उनके अधिकार का अतिक्रमण करेंगे। क टर दक्षिणपंथी राजनीतिक दल प्रवास विरोधी और यूरोपीय संघ विरोधी भावनाओं का लाभ उठा सकते हैं।

***

**डॉ दिनोज कु.उपाध्याय विश्व मामलों की भारतीय परिषद, सप्रु हाउस, नई दिल्ली में अनुसंधान अध्येता हैं।*

समाप्ति नोट

[i] रुक्मिणी कॉलिमची, "इस्लामिक स्टेट (आईएस) ने जिम्मेदारी ली, पेरिस हमलों को "तूफान की पहली झलक बताया" द न्यूयॉर्क टाइम्स, 14 नवम्बर, 2015, http://www.nytimes.com/2015/11/15/world/europe/isis-claims-responsibility-for-paris-attacks-calling-them-miracles.html? _r = 0 (15 नवंबर, 2015 को एक्सेस किया गया)।

[ii] "ओलांद कहते हैं कि पेरिस हमले इस्लामी राज्य समूह द्वारा "युद्ध की कार्रवाई",' *फ्रांस 24*, 14 नवंबर, 2015, http://www.france24.com/en/20151114-paris-attacks-president-hollande-act-war-islamic-state-group-terrorism- france (15 नवंबर, 2015 को एक्सेस किया गया)।

[iii] "फ्रांस चाहता है कि इस्लामिक स्टेट (आईएस) के विरूद्ध नए सिरे से युद्ध में वैश्विक गठबंधन बने," *फ्रांस 24*, 16 नवम्बर, 2015, http://www.france24.com/en/20151114-live-blog-string-deadly-shootings-rock-paris (17 नवंबर, 2015 को एक्सेस किया गया)।

[iv] हेरिएट अलेक्जेंडर, ' संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने सीरिया में इस्लामिक स्टेट (आईएस) के खिलाफ 'सभी आवश्यक उपायों को सर्वसम्मति से मंजूरी दी' *द टेलीग्राफ, 21 नवंबर, 2015,,* http://www.telegraph.co.uk/news/worldnews/islamic-state/12009275/UN-Security-Council-unanimously-approves-all-necessary-measures-against-Isil-in-Syria.html (3 दिसम्बर, 2015 को एक्सेस किया गया)।

[v] रॉबर्ट स्च्वाट्र्ज़, "पूर्वी यूरोप अपने स्वयं की सुरक्षा के बारे में चिंतित है," *डॉयचे वेले,* 19 नवम्बर, 2015, http://www.dw.com/en/eastern-europe-is-concerned-about-its-own-security/a-18863198 (19 नवम्बर, 2015 को एक्सेस किया गया)।

[vi] डेनियल मक्लॉघलिन, 'विपक्ष यूरोपीय संघ शरणार्थी कोटा योजना में सख्ती कर रहा है," *द आयरिश टाइम,* 27 नवम्बर, 2015, *http://www.irishtimes.com/news/world/europe/opposition-hardening-to-eu-refugee-quota-plan-1.2433515* (30 नवंबर, 2015 को एक्सेस किया गया)।

[vii] "हंगरी ने यूरोपीय संघ से अनिवार्य कोटा प्रणाली की अपील की,' द फिनलैंड टाइम्स, *3 दिसंबर, 2015,* http://www.finlandtimes.fi/europe/2015/12/03/22946/Hungary-appeals-EU-mandatory-quota-system (29 दिसम्बर, 2015 को एक्सेस किया गया)।

[viii] बेन देओर्ती, 'फ्रांस ने "इस्लामिक स्टेट (आईएस) के गढ रक्क़ा पर व्यापक हवाई हमले प्रारंभ किए ," *द गार्जियन,* 16 नवम्बर, 2015, http://www.theguardian.com/world/2015/nov/16/france-launches-massive-airstrike-on-isis-stronghold-in- syria-after-paris-attack (17 नवंबर, 2015 को एक्सेस किया गया)।

[ix] पूर्वोक्त।

[x] रोब क्रिल्ली, "संयुक्त राष्ट्र ने सीरिया संकल्प को मंजूरी दी- इसका मतलब क्या है?," *द टेलीग्राफ, 21 नवंबर, 2015,* http://www.telegraph.co.uk/news/worldnews/islamic-state/12010091/UN-approves-Syria-resolution-what-does-it- mean. html (28 नवंबर, 2015 को एक्सेस किया गया)।

[xi] बेर्न्ड रिगेर्त, "इस्लामिक स्टेट (आईएस)-विरोधी गठबंधन के लिए ओलांद की खोज' *डॉयचे वेले,* 27 नवंबर, 2015, http://www.dw.com/en/opinion-hollandes-quest-for-an-anti-is-alliance/a-18881070 (29 नवंबर, 2015 को एक्सेस किया गया)।

[xii] "मार्केल कहती हैं कि सीरिया वार्ता में असद की भूमिका होनी ही चाहिए," *डॉयचे वेले,* 24 सितम्बर, 2015, http://www.dw.com/en/merkel-says-assad-must-have-role-in-syria-talks/a-18736427 (सितम्बर 25, 2015 को एक्सेस किया गया)।

[xiii] "संसद ने बुंदेसवेहर के इस्लामिक स्टेट (आईएस)-विरोधी अभियान का अनुमोदन किया," *डॉयचे वेले,*4 दिसंबर, 2015, http://www.dw.com/en/parliament-approves-bundeswehr-anti-is-mission/a-18894511(5 दिसंबर, 2015 को एक्सेस किया गया)

[xiv] पैट्रिक विंतौर, "सांसदों द्वारा इस्लामिक स्टेट (आईएस) के विरूद्ध कार्रवाई के अनुमोदन के बाद ब्रिटेन ने पहली बार सीरिया में हवाई हमले किए," द *गार्जियन,* 3 दिसम्बर 2015, http://www.theguardian.com/world/2015/dec/02/syria-airstrikes-mps-approve-uk-action-against-isis-after-marathon-debate (4 दिसम्बर, 2015 को एक्सेस किया गया)।

[xv] आतंकवाद से लड़ने के लिए एक इस्लामिक सैन्य गठबंधन तैयार करने संबंधी एक संयुक्त वक्तव्य जारी किया गया है, सऊदी प्रेस एजेंसी, रियाद, रबी'ई 04, 1437, *स्पा,* 15 दिसम्बर, 2015, http://www.spa.gov.sa/english/details.php?id=1429203 (1 जनवरी, 2016 को एक्सेस किया गया)।

[xvi] "आतंकवाद से लड़ने के लिए एक इस्लामिक सैन्य गठबंधन तैयार करने संबंधी एक संयुक्त वक्तव्य, " सऊदी प्रेस एजेंसी, 15 दिसम्बर, 2015, http://www.spa.gov.sa/english/search.php?s=Islamic%20military%20alliance&pg=2&by1=n (1 जनवरी, 2016 को एक्सेस किया गया)।

[xvii] ' रूस के पास और भी सबूत हैं " इस्लामिक स्टेट (आईएस) का तेल तुर्की से होकर जाता है, एरडोगन कहते हैं, यदि यह सच हुआ तो वे इस्तीफा दे देंगे" *आरटी,* 30 नवंबर, 2015, https://www.rt.com/news/324045-putin-erdogan-su-downing/ (2 दिसंबर, 2015 को एक्सेस किया गया)।

[xviii] आपराधिक तथा अन्य अवैध कृत्यों के विरूद्ध रूस की राष्ट्रीय सुरक्षा और रूसी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उपायों और तुर्की के विरूद्ध विशेष आर्थिक कार्रवाई के अनुप्रयोग पर कार्यकारी आदेश, रूस के राष्ट्रपति, 28 नवम्बर, 2015, http://en.kremlin.ru/events/president/news/50805 (28 दिसम्बर, 2015 को एक्सेस किया गया)।

[xix] ज्योफ डायर और एलेक्स बार्कर, "तुर्की-रूस तनाव ने सीरिया में इस्लामिक स्टेट (आईएस)-विरोधी गठबंधन को मैला किया," *फाइनेंशियल टाइम्स, 24 नवंबर, 2015,,* http://www.ft.com/cms/s/0/8e13f7b0-92cd-11e5-bd82-c1fb87bef7af.html#axzz3uqf9bLZx (4 दिसम्बर, 2015 को एक्सेस किया गया)।

[xx] 'फ्रांस के ओलांद ने रूस-तुर्की तनाव कम करने का आग्रह किया," *रायटर,* 26 नवम्बर, 2015, http://in.reuters.com/article/mideast-crisis-hollande-merkel-idINKBN0TE2HW20151125 (3 दिसम्बर, 2015 को एक्सेस किया गया)

[xxi] "मर्केल ने इस्लामिक स्टेट (आईएस) आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में फ्रांस की मदद करने की प्रतीज्ञा ली, " *डॉयचे वेले,* 25 नवंबर, 2015, http://www.dw.com/en/merkel-vows-to-help-france-in-fight-against-is-terrorism/a-18876636 (3 दिसम्बर, 2015 को एक्सेस किया गया)।

[xxii] "जर्मनी ने तुर्की व रूस से तनाव बढ़ाने से बचने का आग्रह किया" *टूडेज़ ज़मान, 25 नवंबर, 2015,* http://www.todayszaman.com/anasayfa_germany-urges-turkey-russia-to-avoid-escalation-of-tensions_405214.html (3 दिसम्बर, 2015 को एक्सेस किया गया)।

[xxiii] "उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो), "मोंटेनेग्रो के साथ नाटो के संबंध," 2 दिसम्बर, 2015, http://www.nato.int/cps/en/natolive/topics_49736.htm# (5 दिसम्बर, 2015 को एक्सेस किया गया)।

[xxiv] "क्रेमलिन कहता है कि नाटो का पूर्वी दिशा में विस्तार होने से रूस इसका प्रतिकार करेगा," *रायटर,* 2 दिसम्बर, 2015, http://www.reuters.com/article/us-kremlin-nato-expansion-idUSKBN0TL0V720151202 (3 दिसम्बर, 2015 को एक्सेस किया गया)।

[xxv] सुरक्षा नीति पर म्यूनिख सम्मेलन में भाषण और इसके पश्चात चर्चा, रूस के राष्ट्रपति, 10 फ़रवरी, 2007, http://archive.kremlin.ru/eng/speeches/2007/02/10/0138 _ type82912type82914 type82917type84779 _118123 (4 दिसम्बर, 2015 को एक्सेस किया गया)।

[xxvi] फ्रांस के राष्ट्रपति फ्रांसवा ओलांद के साथ बैठक के बाद प्रेस वक्तव्य तथा पत्रकारों के सवालों के जवाब, क्रेमलिन, 26 नवम्बर , 2015, http://en.kremlin.ru/events/president/transcripts/50792 (3 दिसम्बर, 2015 को एक्सेस किया गया)।

[xxvii] कोलीन मक्कैन नेल्सन, "ओबामा ने संदेह व्यक्त किया कि रूस इस्लामिक राज्य के खिलाफ गठबंधन में शामिल होगा, द वॉल स्ट्रीट पत्रिका, *22 नवम्बर, 2015* , http://www.wsj.com/articles/obama-unsure-if-russia-will-join-grand-coalition-against-इस्लामी राज्य-1448189867 (2 दिसम्बर 2015 को एक्सेस किया गया)।

[xxviii] स्कॉट कैम्पबेल, " इस्लामिक स्टेट (आईएस) का अंत? पुतिन "मुसीबत बने इस्लामिक स्टेट के समूल नाश के लिए 150,000 सैनिकों को सीरिया भेज रहे हैं" द संडे *एक्सप्रेस,* 3 दिसंबर, 2015, http://www.express.co.uk/news/world/609757/Putin-ISIS-Islamic-State-Syria- Raqqa-troops-soldiers-air-strike-jets-military (4 दिसम्बर, 2015 को एक्सेस किया गया)।

[xxix]"यूरोपीय संघ ने यूक्रेन संघर्ष के कारण रूसी प्रतिबंधों को आधिकारिक तौर पर छह महीने के लिए बढ़ाया," *डॉयचे वेले, 21 दिसंबर, 2015*, http://www.dw.com/en/eu-officially-extends-russia-sanctions-for-six-months-over-ukraine-conflict/a- 18932985 (22 दिसम्बर, 2015 को एक्सेस किया गया)।

[xxx]"हंगरी ने रूस के खिलाफ आर्थिक प्रतिबंधों का विरोध किया: पीएम," *रायटर*, 18 मार्च, 2014, http://www.reuters.com/article/us-ukraine-crisis-russia-hungary-idUSBREA2R0CD20140328 (3 दिसम्बर, 2015 को एक्सेस किया गया)।

[xxxi] जेम्स मारसों, "यूनान के प्रधानमंत्री एलेक्सी सिप्रास ने रूस के विरूद्ध प्रतिबंधों की आलोचना की," द *वॉल स्ट्रीट पत्रिका,31 मार्च, 2015* , *http://www.wsj.com/articles/greek-prime-minister-alexis-tsipras-criticizes-sanctions*- के खिलाफ रूस-1427808839 (3 दिसम्बर, 2015 को एक्सेस किया गया) ।

[xxxii] जेम्स कैंटर, यूरोपीय संघ ने रूस के विरूद्ध प्रतिबंधों की अवधि बढ़ाई, लेकिन मदभेद जाहिर, *द वाल स्ट्रीट पत्रिका, 18 दिसम्बर, 2015, http://www.nytimes.com/2015/12/19/world/europe/eu-to-extend-sanctions-against-russia-but-divisions-show.html?_r=0* (20 दिसम्बर, 2015 को एक्सेस किया गया)।

[xxxiii] "राजनयिक: यूरोपीय संघ के राष्ट्र रूसी प्रतिबंधों को छह महीने के लिए बढ़ाने पर सहमत" *डॉयचे वेले*, 18 दिसंबर, 2015, http://www.dw.com/en/diplomats-eu-states-agree-to-extend-russian-sanctions-by-six-months/a-18928570 (19 दिसम्बर 2015 को एक्सेस किया गया)।

[xxxiv] अन्तर्राष्ट्रीय प्रव्रजन संगठन, "अनियमित प्रवासियों व शरणार्थियों का वर्ष 2015 में यूरोप में आगमन सर्वाधिक दस लाख: अन्तर्राष्ट्रीय प्रव्रजन संगठन,"22 दिसम्बर, 2015, https://www.iom.int/news/irregular-migrant-refugee-arrivals-europe-top-one- लाख-2015-iom (23 दिसम्बर, 2013 को एक्सेस किया गया)।

[xxxv] यूरोपीय परिषद, "तुर्की के साथ राष्ट्राध्यक्षों अथवा सरकार की बैठक - यूरोपीय संघ-तुर्की वक्तव्य, 29 नवम्बर, 2015, http://www.consilium.europa.eu/en/press/press-releases/2015/11/29-eu-turkey-meeting-statement/ (4 दिसम्बर, 2015 को एक्सेस किया गया)।

[xxxvi] पैट्रिक किंग्सले, "तुर्की ने £2 अरब यूरोपीय संघ सीमा नियंत्रण सौदे के बाद 1,300 शरण चाहने वालों को गिरफ्तार किया," *द गार्जियन*, 30 नवम्बर, 2015, http://www.theguardian.com/world/2015/nov/30/turkey-arrests-1300-asylum-seekers-after-2bn-eu-border-control-deal (2 दिसंबर 2015 को एक्सेस किया गया)।

[xxxvii] लारेंस नॉर्मन और इम्रे पेकर, "यूरोपीय संघ ने प्रव्रजन पर तुर्की से सौदा/डील किया" *द वॉल स्ट्रीट पत्रिका*, 29 नवंबर, 2015।

[xxxviii] यूरोपीय संसद, "इस्लामिक स्टेट (आईएस)आईएल/दाएश और आतंक के "गैर-परंपरागत हथियार" *ब्रीफिंग*, दिसंबर 2015, पृ. 2. http://www.europarl.europa.eu/RegData/etudes/BRIE/2015/572806/EPRS_BRI(2015)572806_EN.pdf 22 दिसंबर, 2015 को एक्सेस किया गया)।

[xxxix] "ब्रुसेल्स आतंकी चेतावनी पेरिस-शैली के हमलों के डर पर आधारित," *बीबीसी*, 21 नवम्बर, 2015, http://www.bbc.com/news/world-europe-34889144 (22 नवंबर, 2015 को एक्सेस किया गया)।

[xl] "म्यूनिख पुलिस ने संभावित आतंकी हमलों की चेतावनी जारी की, लोगों को भीड़-भाड़ वाले स्थानों और ट्रेन स्टेशनों पर जाने से बचने के लिए कहा" डॉयचे*वेले, 31 दिसंबर, 2015* , http://www.dw.com/en/munich-police-warn-of-a-possible-terror-attack-ask-people-to- avoid-crowds-and-train-stations/a-18953528 (1 जनवरी, 2016 को एक्सेस किया गया)।

[xli] फ्रांसेस्को गुआरसीओ एंड टोबी स्टर्लिंग, "यूरोपीय संघ ने पेरिस हमलों के बाद बाहरी सीमा पर जांच कड़ी की," *रायटर, 19 नवम्बर, 2015, http://www.reuters.com/article/2015/11/19/us-france-shooting-eu- पासपोर्ट-idUSKCN 1QT20151119 #pOCH17A6D fkxB16b.97 (20 नवंबर, 2015 को एक्सेस किया गया)*; और अलस्टाइर मैकडोनाल्ड एंड फ्रांसेस्को गुआरसीओ, 'यूरोपीय संघ ने सीमा पर जाँच कड़ी की, पेरिस के बाद बंदूकों से नियंत्रण," *रायटर*, 20 नवंबर, 2015, http://www.reuters.com/article/us-france-shooting-eu-idUSKCN 1OB20151120 (3 दिसंबर, 2015 को एक्सेस किया गया)।

[xlii] "यूरोप में आतंक का वर्ष," डॉयचे वेले, *30 दिसंबर, 2015,* http://www.dw.com/en/the-year-of-terror- in-europe/a-18932537 (31 दिसंबर, 2015 को एक्सेस किया गया)।

[xliii] बेर्न्ड रिगेर्त, 'यूरोपीय संघ अपनी सीमाओं को मजबूत करना चाहता है," *डॉयचे वेले,* 16 दिसम्बर, 2015, http://www.dw.com/en/eu-wants-to-strengthen-its-borders/a-18920241 (17 दिसम्बर, 2015 को एक्सेस किया गया); "यूरोपीय संघ ने एक नई सीमा एवं तटरक्षक एजेंसी की योजना बनाई," *यूरोन्यूज,* 31 दिसम्बर, 2015, http://www.euronews.com/2015/12/31/eu-plans-for-a-new-border-and-coastguard-agency/ (2 जनवरी, 2016 को एक्सेस किया गया)।

[xliv] "प्रवासी संकट: यूरोपीय संघ ने नए सीमा बल को प्राथमिकता दी" बीबीसी, 18 दिसम्बर, 2015, http://www.bbc.com/news/world-europe-35128747 (2 जनवरी, 2016 को एक्सेस किया गया)।

[xlv] "पोलैंड यूरोपीय आयोग बॉर्डर एजेंसी योजना के खिलाफ," *रेडियो पोलैंड,* 14 दिसम्बर, 2015, http://www.thenews.pl/1/10/Artykul/232848, Poland-against-European-Commission-border-agency-plan (2 जनवरी, 2016 को एक्सेस किया गया)।

[xlvi] 'यूरोपीय संघ ने एक नई सीमा व तटरक्षक एजेंसी की योजना बनाई," *यूरोन्यूज, 31 दिसम्बर, 2015,* http://www.euronews.com/2015/12/31/eu-plans-for-a-new-border-and-coastguard-agency/ (2 जनवरी, 2016 को एक्सेस किया गया)।

[xlvii] सबरीना पैबस्त, 'जर्मनी ने नई आतंक - विरोधी इकाई 'बीएफई +' की शुरूआत की," *डॉयचे वेले,* 16 दिसम्बर, 2015, http://www.dw.com/en/germany-launches-new-anti-terror-unit-bfe/a-18923373 (17 दिसम्बर, 2015 को एक्सेस किया गया)।

[xlviii] "वैश्विक दृष्टिकोण और प्रवृतियां, अध्याय 4: गैर-परंपरागत, एयरोस्केप्टिक दलों का उदय, "प्यू अनुसंधान केंद्र, 2 जून, 2015

[xlix] रजिया अबौलखेर, "फ्रांस का मुसलमान विरोधी तनाव "अल्पकालिक" रहेगा – विशेषज्ञ," *अल अरबिया,* 30 जनवरी, 2015, http://english.alarabiya.net/en/perspective/features/2015/01/30/France-s-anti-Muslim-tensions-will-be-short- lived-expert.html (15 दिसंबर, 2015 को एक्सेस किया गया)।

[l] "पेरिस हमलों के बाद फ्रांसीसी कट्टर दक्षिणपंथी की लोकप्रियता बढ़ी," *फ्रांस 24,* 25 नवंबर, 2015, http://www.france24.com/en/20151123-french-far-right-popularity-attacks-paris (27 नवंबर, 2015 को एक्सेस किया गया)।

[li] 'क्षेत्रीय मतदान के बाद, फ्रांसीसी राष्ट्रपति पद की दौड़ पर नज़र," *फ्रांस 24,* 14 दिसम्बर, 2015, http://www.france24.com/en/20151214-after-regional-france-presidential-election-national-front-le-pen-sarkozy- hollande (15 दिसम्बर, 2015 को एक्सेस किया गया)।

[lii] " इस बार पेरिस हमलों पर यूरोप की प्रतिक्रिया अलग प्रकार का है," द इकोनामिक्स, 14 नवम्बर, 2015

[liii] ' प्रवासी संकट: यूरोपीय संघ ने नए सीमा बल को प्राथमिकता दी" बीबीसी , 18 दिसम्बर, 2015, http://www.bbc.com/news/world-europe-35128747 (19 दिसंबर, 2015 को एक्सेस किया गया)।

[liv] एस्ज़तेर जलान, "हंगरी ने प्रवासी-विरोधी कोटा अभियान की शुरूआत की, " *यूओ ऑब्जर्वर,* 4 दिसम्बर, 2015, https://euobserver .com/migration/131394 (6 दिसम्बर, 2015 को एक्सेस किया गया)।

[lv] ' प्रवासी संकट "एक जर्मन समस्या" - हंगरी के ओरबान," *बीबीसी,* 3 सितंबर, 2015, http://www.bbc.com/news/world-europe-34136823 (3 दिसम्बर, 2015 को एक्सेस किया गया)।

[lvi] "चेक राष्ट्रपति ने प्रवासी धावा की चेतावनी देने के लिए क्रिसमस संदेश का उपयोग किया," रेडियो प्रहा, 28 दिसम्बर, 2015, http://www.radio.cz/en/section/curraffrs/czech-president-uses-christmas-message-to-warn-of-migrant-invasion (30 दिसम्बर, 2015 को एक्सेस किया गया)।

[lvii] सारंटिस मिचलोपोलोस, "यूनानी मंत्री: नए यूरोपीय संघ सीमा बल ने शरणार्थियों का पूर्ण नियंत्रण स्वीकार किया, "*यूरो एक्टिव,* 18 दिसम्बर, 2015, http://www.euractiv.com/sections/justice-home-affairs/greek-minister-new-eu- border-force-should-take-full-control-refugees (19 दिसम्बर, 2015 को एक्सेस किया गया)।